संत थॉमस विद्यालय, धुर्वा ,राँची

विषय- हिंदी

कक्षा-8

पुस्तक का नाम- मंथन भाग - 8

पाठ- 3- अनोखी मदद

लेखक- काका कालेलकर

मौखिक प्रश्नोत्तर:-

उत्तर 1) सहजन का

उत्तर 2) कुँजड़िन

उत्तर 3) मेहमान

उत्तर 4) मेहमान ने

लिखित प्रश्नोत्तर:-

उत्तर 1) कुलीन परिवार को खाने-पीने के लिए लाले इसलिए पड़ने लगे, क्योंकि परिवार की जायदाद और धन-दौलत बर्बाद हो चुकी थी। परिवार में चारो भाई हुनरमंद और पढ़े-लिखे थे, फिर भी वे अपनी पुरानी खानदान इज्जत के कारण कहीं कोई नौकर-चाकरी या काम-धंधा नहीं कर पाते थे। एक दिन ऐसा आया कि घर में कुछ भी ना बचा और खाने-पीने के लाले पड़ने लगे।

उत्तर 2) खाना न खाने के लिए बड़े भाई ने बहाना बनाया कि आज मेरा सोमवार का व्रत है। दूसरे ने कहा मेरे पेट में दर्द है और तीसरे भाई ने कहा कि उसे अपने दोस्त के यहाँ दावत में जाना है।

उत्तर 3) मेहमान ने देखा कि करीब दस बजे रात कुँजड़िन आयी। बड़े भाई ने बड़ी सावधानी से, बिल्ली की तरह दबे पाँव से पेड़ पर चढ़कर सहजन की काफी फलियाँ तोड़कर उसे दिया और वह जानती थी कि घर में मेहमान है। इसलिए मौके का लाभ उठाकर बहुत कम दाम में सहजन की फलियाँ खरीद ली।

उत्तर 4) कुँजड़िन के जाने का बाद मेहमान ने सोचा कि यह कितना अच्छा प्रतिष्ठित खानदान है। झूठी और बनावटी इज्जत के ख्याल से ये नौजवान लड़के खाने-पीने की तकलीफ बर्दाश्त कर रहे हैं और इस मामूली सहजन के पेड़ के भरोसे अपना गुजारा कर रहे हैं।

उत्तर 5) पेड़ कट जाने पर बड़े भाई ने माँ ने कहा कि "अम्मा, जब तक हमारा बस चला, घर की पुश्तैनी इज्जत बचाई। ना किसी की नौकरी की, ना किसी के आगे हाथ फैलाया। मगर आगे गुजारा चलना मुश्किल है। कहीं ना कहीं काम ढूँढना ही पड़ेगा।"

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर :-
उत्तर 1) कुछ रात बीते कुँजड़िन कुलीन परिवार के घर सहजन की फलियाँ लेने आती थी।

उत्तर 2) परिवार में सभी भाइयों को भोजन के लिए बहाने बनाते और बूढ़ी माँ को बेटों को आग्रह ना करते हुए देखकर मेहमान समझ गया कि यह परिवार गरीबी का शिकार है।

उत्तर 3) चारों भाइयों को नौकरी ढूँढने में परेशानी इसलिए नहीं हुई क्योंकि उस बस्ती में चारों भाइयों की अच्छी इज्जत थी। अपने खानदान और ईमानदारी के लिए वे काफी मशहूर थे।

उत्तर 4) सबेरे उठकर बड़े भाई ने देखा कि मेहमान बरामदे से गायब है और बगीचे में सहजन का पेड़ कटा पड़ा है।

उत्तर 5) घर में सहारा देने वाले किसी बुजुर्ग के मरने से जो मातम छा जाता है, वैसा ही मातम उस परिवार में फैल गया।